अर्थशास्त्र

(व्यष्टि अर्थशास्त्र)

अध्याय-1: परिचय

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र वह विज्ञान है जो विभिन्न उदेश्यों और वैकल्पिक उपयोगों वाले दुर्लभ संसाधनों के सम्बन्ध में मानव व्यवहार का अध्ययन करता है|

अर्थशास्त्र के प्रकार

अर्थशास्त्र का अध्ययन इसके दो आर्थिक सिद्धांत की शाखाओं के अध्ययन से किया जाता है, जो निम्न है|

1) **व्यष्टि अर्थशास्त्र :** व्यष्टि अर्थशास्त्र अर्थशास्त्र की वह शाखा है जो व्यक्तिगत इकाईयों जैसे एक उपभोक्ता, एक उत्पादक से सम्बंधित आर्थिक समस्याओं का अध्ययन करता है|
2) **समष्टि अर्थशास्त्र :** समष्टि अर्थशास्त्र अर्थशास्त्र की वह शाखा है जो सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के स्तर पर एक अर्थव्यवस्था से सम्बंधित आर्थिक तथ्यों जैसे - पूर्ण रोजगार की समस्या, सकल राष्ट्रीय उत्पाद, बचत, निवेश, समग्र उपभोग आदि का अध्ययन कराता है|

व्यष्टि अर्थशास्त्र का वृक्ष वर्गीकरण

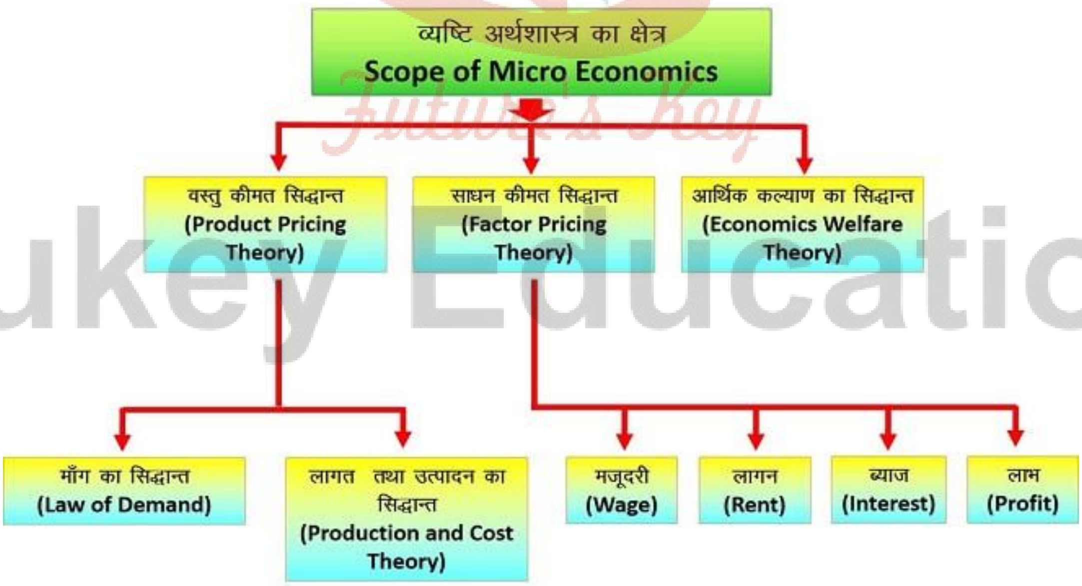

व्यष्टि अर्थशास्त्र का महत्व

यदि समष्टि अर्थशास्त्र को स्थूल (macro) शरीर माने तो व्यष्टि अर्थशास्त्र उस शरीर की सूक्ष्म (micro) आत्मा है| व्यष्टि अर्थशास्त्र के महत्व निम्नलिखित है -

- यह अर्थव्यवस्था से सम्बंधित नीतियाँ बनाने में सहायक है, जो उत्पादक कुशलता को बढ़ा देती हैं|
- इसमें व्यक्तिगत इकाइयों का अध्ययन किया जाता है| यह पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की कार्य प्रणाली का वर्णन करता है|
- यह यह बताता है कि किसी स्वतंत्र अर्थव्यवस्था में कोई व्यक्तिगत इकाई संतुलन कैसे प्राप्त करती है|
- यह सरकार को कीमत नीतियों के निर्धारण में मदद करता है|
- यह व्यवसायी अर्थशास्त्रियों को अपने व्यवसाय के लिए सही पूर्वानुमान लगाने में सहायता करता है|
- यह संसाधनों के कुशल प्रयोग में मदद करता है|

व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर –

व्यष्टि अर्थशास्त्र	**समष्टि अर्थशास्त्र**
1. व्यष्टि अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत इकाई के आर्थिक व्यवहार का अध्ययन किया जाता है; जैसे एक उपभोक्ता, एक फर्म (उत्पादक) इत्यादि।	1. समष्टि अर्थशास्त्र में सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के स्तर पर बड़े आर्थिक समूहों का अध्ययन व अंतसंबंधों का विश्लेषण किया जाता है; जैसे समग्र माँग, समग्र पूर्ति, राष्ट्रीय आय, इत्यादि।
2. इसका मुख्य समस्या कीमत निर्धारण है, इसलिए इसे 'कीमत सिद्धांत' भी कहा जाता है।	2. इसकी मुख्या समस्या आय व रोज़गार का निर्धारण है। इसलिए इसे 'आय व रोज़गार का सिद्धांत' भी कहते हैं।

Fukey Education

3. इसका उद्देश्य संसाधनों के सर्वोत्तम आबंटन से होता है।	3. इसका उद्देश्य संसाधनों के पूर्व रोज़गार व विकास से होता है।
4. इसमें अध्ययन का ढंग आंशिक संतुलन विधि (यह माना जाता है की अन्य बातें समान रहती हैं)।	4. इसमें अध्ययन का ढंग सामान्य संतुलन विधि (सभी संबंधो को समरूपता से लिया जाता है)।

आर्थिक समस्या - आर्थिक समस्या से अभिप्राय चयन की समस्या है जो निम्न कारको के कारण उत्पन होती है -

(i) संसाधन सीमित है|

(ii) मानवीय इच्छाएँ असीमित है|

(iii) संसाधनों के वैकल्पिक प्रयोग है|

दुर्लभता - दुर्लभता से अभिप्राय उस स्थिति से है जब संसाधन उसकी माँग से कम मात्रा में उपलब्ध होते है| जैसे - पेट्रोल की माँग उसकी उपलब्धता से अधिक है अतः पेट्रोल एक दुर्लभ संसाधन है|

अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ -

- **क्या उत्पादन किया जाए -** क्या उत्पादन किया जाए समस्या 'किस वस्तु' का उत्पादन किया जाए तथा 'कितनी मात्रा ' में किया जाए से सम्बंधित है| प्रत्येक उत्पादक को उत्पादन करने से पूर्व यह निर्णय लेना होता है कि वह किस वस्तु का उत्पादन करे और कितना करे| यह समस्या तब और बड़ी हो जाती है जब एक उत्पादक को यह निर्णय लेना होता है कि वह उपभोक्ता वस्तु का उत्पादन करे या पूंजीगत वस्तु का क्योंकि उपभोक्ता वस्तुएं तथा पूंजीगत वस्तुएं दोनों ही जरुरी है| उपभोक्ता वस्तुएं जीवन स्तर को सुधारने में सहायता करती है तथा पूंजीगत वस्तुएं उत्पादन क्षमता को बढ़ने में सहायता करती है| अब यहाँ यह समस्या उत्पन हो जाती है की उपभोक्ता वस्तुओं का कितना उत्पादन किया जाए तथा पूंजीगत वस्तुओं का कितना|

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- **कैसे उत्पादन किया जाए -** कैसे उत्पादन किया जाए समस्या उत्पादन की तकनीक से सम्बंधित है| यह समस्या तब उत्पन्न होती है जब एक उत्पादक को उत्पादन कि दो तकनीको श्रम प्रधान तकनीक तथा पूंजी प्रधान तकनीक के बीच चयन करना पड़ता है| श्रम प्रधान तकनीक अर्थ है पूंजी कि तुलना में श्रम का अधिक प्रयोग तथा पूंजी प्रधान तकनीक का अर्थ है श्रम की तुलना में पूंजी का अधिक प्रयोग| श्रम प्रधान तकनीक रोजगार को बढ़ावा देती है तथा पूंजी प्रधान तकनीक कुशलता को बढ़ावा देती है|
- **किसके लिए उत्पादन किया जाए -** किसके लिए उत्पादन किया जाए समस्या किस वर्ग के लिए उत्पादन किया जाए से सम्बंधित है| यह समाज के दो वर्ग अमीर तथा गरीब से सम्बंधित है| यह समस्या तब और जटिल हो जाती है जब उत्पादक को यह निर्णय लेना पड़ता है की वह किस वर्ग को ध्यान में रखकर उत्पादन करे| धनि वर्ग के लिए उच्च मूल्य वाली विलासिता की वसतुओं का उत्पादन करे या निर्धन वर्ग के लिए कम मूल्य वाली आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करे|
- किसके लिए उत्पादन किया जाए समस्या आय के वितरण से भी सम्बंधित है| एक उत्पादक को यह निर्णय लेना होता है कि वह किए गए उत्पादन को कैसे उत्पादन में सहयोग देने वाले कारको के बीच विभाजीत करे| जैसे - श्रम के लिए मजदूरी, पूंजी के लिए ब्याज तथा भूमि के लिए किराया|

Future's Key
Fukey Education

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 8)

प्रश्न 1 अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं की विवेचना कीजिए।

उत्तर – अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ इस प्रकार हैं-

1. किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में प्रत्येक समाज को यह निर्णय करना होता है कि यह किन वस्तुओं का उत्पादन करें और कितनी मात्रा में। यदि एक प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन अधिक किया जाए तो अर्थव्यवस्था में दूसरी प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन कम हो सकता है तथा विपरीत। एक अर्थव्यवस्था को यह निर्धारित करना पड़ता है कि वह खाद्य पदार्थों का उत्पादन करे या मशीनों का, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर खर्च करे या सैन्य सेवाओं के गठन पर, उपभोक्ता वस्तुएँ बनाए या पूँजीगत वस्तुएँ।
2. वस्तुओं का उत्पादन कैसे करें- सभी वस्तुओं का उत्पादन कई तकनीकों द्वारा हो सकता हैं किसी वस्तु के उत्पादन में श्रम प्रधान तकनीक का प्रयोग करें या पूंजी प्रधान तकनीक का, यह निर्णय लेना होता हैं। इसके लिए निर्णायक सिद्धान्त यह है कि ऐसी तकनीक का प्रयोग करें, जिसका औसत उत्पादन लागत उत्पादन न्यूनतम हों।
3. उत्पादन किसके लिए करें- अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं की कितनी मात्रा किसे प्राप्त होगी अर्थव्यवस्था के उत्पादन को व्यक्ति विशेष में किस प्रकार विभाजित किया जाए। यह आय के वितरण पर निर्भर करता है। यदि आय समान रूप से विभाजित होगी, तो वस्तुएँ और सेवायें भी समान रूप से विभाजित होंगी। निर्णायक सिद्धांत यह है कि वस्तुओं और सेवाओं को इस प्रकार वितरित करो कि बिना किसी को बद्तर बनाये किसी अन्य को बेहतर बनाया जा सके।

प्रश्न 2 अर्थव्यवस्था की उत्पादन संभावनाओं से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर – किसी अर्थव्यवस्था के संसाधनों का प्रयोग करके दो वस्तुओं के जिन भी संयोजनों का उत्पादन करना संभव है वे उत्पादन संभावनाएँ कहलाती हैं।

प्रश्न 3 सीमान्त उत्पादन संभावना क्या है?

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर – सीमान्त उत्पादन संभावना दो वस्तुओं के उन संयोगों को दर्शाती है, जिनका उत्पादन अर्थव्यवस्था के संसाधनों का पूर्ण रूप से उपयोग करने पर किया जाता है। यह एक वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने की अवसर लागत है।

प्रश्न 4 अर्थव्यवस्था की विषय वस्तु की विवेचना कीजिए।

उत्तर – अर्थव्यवस्था की विषय वस्तु बहुत व्यापक है। प्रो. रोबिन्स के अनुसार, "अर्थशास्त्र एक ऐसा विज्ञान हैं जो दुर्लभ संसाधनों जिनके वैकल्पिक उपयोग हैं के विवेकशील प्रयोग पर केन्द्रित हैं।"

अर्थशास्त्र एक विषय वस्तु है जो दुर्लभ संसाधनों के विवेकशील प्रयोग पर इस प्रकार केन्द्रित है, जिससे कि हमारा आर्थिक कल्याण अधिकतम हो। अर्थशास्त्र के विषय वस्तु को दो भागों में वर्गीकृत किया गया है।

1. अर्थव्यवस्था की विषय वस्तु बहुत व्यापक है। प्रो. रोबिन्स के अनुसार, "अर्थशास्त्र एक ऐसा विज्ञान हैं जो दुर्लभ संसाधनों जिनके वैकल्पिक उपयोग हैं के विवेकशील प्रयोग पर केन्द्रित हैं।"
2. अर्थशास्त्र एक विषय वस्तु है जो दुर्लभ संसाधनों के विवेकशील प्रयोग पर इस प्रकार केन्द्रित है, जिससे कि हमारा आर्थिक कल्याण अधिकतम हो। अर्थशास्त्र के विषय वस्तु को दो भागों में वर्गीकृत किया गया है।

- अर्थशास्त्र की विषय वस्तु

Fukey Education

- व्यष्टि अर्थशास्त्र

1. उपभोक्ता का सिद्धान्त

2. उत्पादक व्यवहार सिद्धान्त

3. कीमत निर्धारण

4. कल्याण अर्थशास्त्र

- समष्टि अर्थशास्त्र

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

- राष्ट्रीय आय तथा रोजगार
- राजकोषीय और मौद्रिक नीतियाँ
- अस्फीति तथा स्फीति
- सरकारी बजट
- विनिमय दर और भुगतान शेष

प्रश्न 5 केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाज़ार अर्थव्यवस्था के भेद को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

बाज़ार अर्थव्यवस्था	केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था
इस अर्थव्यवस्था में माँग और पूर्ति की शक्तियों की स्वतन्त्र अन्तक्रिया का पूर्ण वर्चस्व होता है।	केंद्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवरथा इस अर्थव्यवरथा में माँग और पूर की शक्तियों की स्वतन्त्र अन्तक्रिया का अभाव होता है।
इसमें उत्पादन कारकों पर निजि स्वामित्व होता हैं।	इसमें उत्पादन कारकों पर सरकारी स्वामित्व होता हैं।
इसमें उत्पादन लाभ के उद्देश्य से किया जाता है।	इसमें उत्पादन समाज कल्याण के उद्देश्य से किया जाता है।
इसमें सरकार उत्पादकों और परिवारों के निर्णय में कोई हस्तक्षेप नहीं करती।	इसमें सरकार उत्पादकों और परिवारों के निर्णय में हस्तक्षेप करती है।
इसमें उपभोक्ता का प्रभुत्व होता है।	इसमें उपभोक्ता की प्रभुता बाधित होती है।
अधिकारों के कारण पूँजी के संचय की अनुमति दी गई है।	यहाँ पूँजी के संचय की अनुमति नहीं दी गई है।

प्रश्न 6 व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

बाज़ार अर्थव्यवस्था	केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था
व्यष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम बाज़ार में विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न आर्थिक अभिकर्ताओं के व्यवहार का अध्ययन करके यह जानना चाहते हैं कि इन बाज़ारों में व्यक्तियों की अन्तःक्रिया द्वारा वस्तुओं तथा सेवाओं की मात्राएँ और कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती हैं।	समष्टि अर्थशास्त्र में हम कुल निगत, रोजगार तथा समग्र कीमत स्तर आदि समग्र उपायों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी अर्थव्यवस्था को समझाने का प्रयास करते हैं। हम यह जानने का प्रयास करते हैं कि समग्र उपायों के स्तर किस प्रकार
इसमें मुख्य उपकरण माँग और पूर्ति है।	इसमें मुख्य उपकरण समग्र माँग और समग्र पूर्ति है।
इसके अन्तर्गत निम्नलिखित का अध्ययन होता हैं। ० उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धांत ० उत्पादक व्यवहार का सिद्धांत ० कीमत निर्धारण ० कल्याण अर्थशास्त्र	इसके अन्तर्गत निम्नलिखित का अध्ययन होता है। ० राष्ट्रीय आय रोजगार और समग्र कीमत स्तर ० स्फीति और उपस्फीति ० सरकारी बजट और नीतियाँ ० विनिमय दर और भुगतान शेष

प्रश्न 7 सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर – सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण के अन्तर्गत हम यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न कार्यविधियाँ किस प्रकार कार्य करतीहैं।

उदाहरणतः जब हम कहते हैं कि कीमत के बढ़ने से माँग की मात्रा कम हो जाती है और कीमत कम होने से माँग की मात्रा बढ़ जाती हैं तो यह सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण है।

प्रश्न 8 आदर्शक आर्थिक विश्लेषण से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर – आदर्शक आर्थिक विश्लेषण में हम यह समझाने का प्रयास करते हैं कि ये विधियाँ हमारे अनुकूल हैं भी या नहीं। उदाहरण के लिए जब हम कहते हैं कि सिगरेट और शराब की माँग कम करने के लिए उनके ऊपर कर की दरें बढ़ानी चाहिए तो यह आदर्शक विश्लेषण है।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com